खण्ड–2 संख्या–2

एकादश बिहार विधान- सभा वादवृत्त

(भाग–1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

सत्यमेव जयते

दिनांक : 30 मई, 1995 ई०

3. पटना दरभंगा बस सेवा को 30-6-95 तक पुनः चालू कर दिया जायेगा तथा 6 महिने के बाद जयनगर की सेवा भी शुरू कर दी जायेगी ।

श्री लालू प्रसाद : मंत्री ने बस चलाने का आश्वासन दिया और स्वतंत्रता सेनानी के कठिनाई को दर्शाया । इसलिए मेरा कहना है, कि उस बस का नाम ही स्वतंत्रता सेनानी किया जाय ।

अध्यक्ष : यह मुख्यमंत्री जी, या परिवहन मंत्री जी रख दें तो अच्छी बात होगी

श्री इन्दर सिंह नामधारी : मुख्यमंत्री जी का जो प्रस्ताव है मैं चाहूँगा कि माननीय अध्यक्ष महोदय उसका उद्घाटन करें ।

प्राथमिक विद्यालय की स्थापना

***5. श्री टेक लाल महतो** – क्या मंत्री, मानव संसाधन विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि –

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार सरकार का यह निर्णय है कि बिहार का कोई ऐसा गाँव जहाँ 50 घर की आबादी है प्राथमिक विद्यालय की स्थापना की जायेगी;

(2) क्या यह बात सही है कि हजारीबाग जिला के विष्णुगढ़ प्रखंड के ग्राम भलुआ जहां लगभग 100 हरिजन एवं अत्यंत पिछड़े वर्ग के लोग निवास करते हैं, वहाँ प्राथमिक विद्यालय की स्थापना नहीं हो सकी है;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार ग्राम भलुआ में चालु वित्तीय वर्ष में प्राथमिक विद्यालय की स्थापना करने का विचार रखती है, यदि हां तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

श्री जयप्रकाश नारायण यादव : 1. वस्तुस्थिति यह है कि ऐसे टोले/गांव में जिनकी आबादी 300 से अधिक है और एक किलोमीटर के भीतर पूर्व से प्राथमिक विद्यालय उपलब्ध नहीं है, वैसे टोले/गांव में शिक्षक इकाई उपलब्ध होने पर जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति के निर्णयानुसार प्राथमिक विद्यालय खोले जाने का प्रावधान है ।

2. सूचना अप्राप्त है ।

3. शिक्षक इकाई उपलब्ध होने पर नये विद्यालय खोलते समय इस गांव में भी अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र अथवा प्राथमिक विद्यालय खोलने के संबंध में जिला प्रारंभिक शिक्षा समिति के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर विचार किया जायगा ।

श्री टेकलाल महतो : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री ने अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र के संबंध में कहा, जबकि मेरा सवाल है प्राथमिक शिक्षा के संबंध में, न कि अनौपचारिक शिक्षा के संबंध में ? प्राथमिक शिक्षा के लिए मैंने सवाल किया है । अध्यक्ष महोदय, 1 कि० मी० की दूरी नहीं 3 कि० मी० की दूरी एवं वहाँ पर 300 ही नहीं, 500 से भी अधिक की आबादी है, इसलिये वहाँ पर बराबर सवाल उठता आया है । माननीय मुख्यमंत्री की घोषणा भी है ।

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का प्रश्न गलत है, गलत छप गया है । आपने पूछा है 50 घर की आबादी पर, सरकार का निर्णय है प्राथमिक विद्यालय खोलने का, वस्तुस्थिति यह नहीं है । जिन सिडॅयूल कास्ट, सिडॅयूल ट्रायब्स, ओ० बी० सी०, माईनोरिटी और इधर जो विज्ञापन आ रहा है अखबारों में, जहाँ प्राथमिक विद्यालय आज तक नहीं है, नहीं खुले हैं, संख्या अनेकों हो सकती है, हजारों-हजार की हो सकती है, इसके कारण अलग-अलग हो सकते हैं, यह बाद की बात है । अध्यक्ष महोदय, 2000 ई० तक बच्चें, बच्चियों को

और लोगों को साक्षर करना है, जो शिखर सम्मेलन दिल्ली में हुआ था ? राष्ट्रों की, उसी संकल्प के तहत सरकार ने यह फैसला लिया है । उन वर्गों और तत्वों के बीच जिनकी आबादी 300 मिनिमम है और मैक्सिमम 500 हो सकता है । गांव में मिटिंग कर, सभा करके तत्काल झोपड़ी में ही हो, विद्यालय खोल लें, अपना निर्णय वे खुद करें । एक बच्चा और एक बच्ची जो साक्षर हो, मैट्रिक हो, उसकी बहाली स्वयं गांव के लोग कर लें। ऐसे शिक्षक की दो इकाई हमने कबूला है । एडल्ट एजुकेशन का जो साक्षरता मिशन है, उसको 300 रू० माहवारी और राज्य सरकार के तरफ से 200 रू० माहवारी मिलेगा, यही सरकार का का इरादा है । आगे चलकर वित्तीय स्थिति ठीक होने पर सुनिश्चित रोजगार योजना, जवाहर रोजगार योजना और अदर जो कम्पोनेन्ट हैं, उससे हम भवन बना देंगे । अध्यक्ष महोदय, संबंधित कलक्टर को बैठक कर निर्देश दिया जा चुका है कि आपस में क्लेश नहीं होना चाहिये । इन विद्यालयों में सुनिश्चित कराकर कलैण्डर के तहत उनको पोशाक, स्लेट, किताब फ्री देंगे। मुसहर, डोम के बच्चे जो हैं, उनको एक रूपया छात्रवृति देने का प्रावधान है ही । यह सरकार का इरादा है । एक महीना पहले ही कलक्टरों को निर्देश दिया जा चुका है कि वे पूरी सूची सरकार को समर्पित कर दें ताकि शिक्षकों को पर्याप्त पैसा दिलवा सकें, 500 रू० का इन्तजाम कर सकें । महोदय, इसमें गरीब, बेरोजगारों में काफी जागृति हुई है ।

माननीय सदस्य जिस विद्यालय और गाँव की चर्चा कर रहे हैं, उसको दिखवा लेंगे ।

(व्यवधान)

श्री फुरकान अन्सारी : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का सवाल है । विधान-सभा में जो घोषणा की गई, उसके संबंध में कहना चाहता हूँ .....

अध्यक्ष : यह कोई व्यवस्था नहीं है, आप बैठ जाईये ।

श्री टेकलाल महतो : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री को अवगत कराना चाहूँगा कि वहाँ की जनता बहुत पहले अपने जन-सहयोग से विद्यालय भवन का निर्माण कराकर विद्यालय चला रही है । प्राथमिक विद्यालय की इकाई जो राज्य में चल रही है, उसी के तहत वहाँ पर भी इसकी स्थापना की जाय ।

अध्यक्ष : आपका अलग प्रश्न जा रहा है, वैसे विद्यालयों की अलग प्रक्रिया है ।

श्री टेकलाल महतो : महोदय, विद्यालय भवन वहाँ पर जनता ने अपने जन सहयोग से बना दिया है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री टेकलाल महतो जी, जिस विद्यालय के संबंध में आप बात कर रहे हैं, उसका भवन लोगों ने बना दिया है । उसके संबंध में अलग से सवाल पूछिये तो उसका जवाब होगा ।

श्री लक्ष्मण स्वर्णकार : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी ने शिक्षा के बारे में बहुत अच्छी बात कही है । मै जानना चाहता हूँ कि क्या सरकार जहाँ हरिजन-आदिवासी हैं, जहाँ पर 300 की आबादी पर विद्यालय खोले जायेंगे और मैं अल्पसंख्यक की बात कह रहा हूँ कि जहाँ 300 अल्पसंख्यक हैं, तो सरकार वहाँ पर उर्दू विद्यालय खोलेगी ?

श्री लालू प्रसाद : महोदय, उर्दू हमारी द्वितीय राजभाषा है, उर्दू के लिये अलग बात है । सरकार का इरादा है कि सभी को साक्षर करें । डिप्रेस्ड और सरप्रेस्ड बनाकर इन गरीब वर्गों को रखा गया ताकि उनके दरवाजे पर पोलिंग स्टेशन नहीं बने, उनके यहाँ शिक्षा नहीं जाये । शिक्षा हर को चाहिये, जाति और बिरादरी जिनके यहाँ शिक्षा नहीं है, वे खुद विद्यालय खोलें, एक-एक मुट्ठी अनाज भी दें, हम 300 और 200 कुल 500 रूपया देंगे साथ ही उनको किताब, स्लेट, पोशाक फ्री देंगे, ताकि बच्चे एवं

बच्चियों को साक्षर बनाने का काम हो सके, चाहे उर्दू हो, बंगला हो, जिस तरह का हो, सब उस विद्यालय में चलेगा । आवश्यकतानुसार उर्दू हो, सब हो उसमें ।

अध्यक्ष : तारांकित प्रश्न संख्या –6 ।

श्री टेकलाल महतो : अध्यक्ष महोदय, मैं जानना चाहता हूँ. .....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य टेकलाल महतो जी, अब आपका क्या सवाल है ?

आपने कोश्चन पूछा, उसका जवाब हुआ, आपने कहा कि एक विद्यालय खुला हुआ है, उसका भवन बना हुआ है, उसके संबंध में भी जवाब दिया, अब क्या प्रश्न है ?

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय, आपने दूसरे को पुकार दिया, अब ये कैसे प्रश्न पूछ सकते हैं ?

श्री फाल्गुनी प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ .....

अध्यक्ष : आग्रह मत कीजिये, सवाल कीजिये ।

श्री फाल्गुनी प्रसाद यादव : महोदय, मैं पूछना चाहता हूँ कि सुनिश्चित रोजगार योजना या जवाहर रोजगार योजना से उन स्थानों पर प्राथमिक विद्यालय के भवन का निर्माण होगा । क्या मुख्यमंत्री जी, जहाँ पर स्कूल चल रहे हैं, मुख्यमंत्री जी के ब्यान के बाद बहुत से स्कूल गाँवों में चालू हुये हैं, उन गांवों में प्राथमिकता के आधार पर गांवों में विद्यालयों के भवन का निर्माण शीघ्रताशीघ्र हो इसका प्रखंड विकास पदाधिकारी को देंगे ?